

B.A. 1st Semester (Honours) Examination, 2017 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-II

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दश प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य समाधेयाः। प्रतिविभागं प्रश्नपञ्चकस्य दातव्यमुत्तरम्। 2×10=20
(नीचेर प्रश्नगुलि थेके दशटि प्रश्नेर संस्कृत भाषाय देवनागरी लिपिते उत्तर दाओ। प्रतिविभाग थेके पाँचटि करे उत्तर दिते हबे।)

'क' विभागः

('क' विभाग)

- (a) वेदशब्दस्य व्युत्पत्तिः विचार्या।
वेद शब्देर व्युत्पत्ति विचार करो।
- (b) सायणाचार्यस्य पूर्ववर्तिनः वेदव्याख्यातृद्वयस्य नाम देयम्।
सायणाचार्येः पूर्ववर्ती दुजन वेद व्याख्यातार नाम लेखो।
- (c) दशतयी का? किं कारणम् एतादृशनामधेयप्रवृत्तौ?
दशतयी बलते की बोकौ? एरूप नामकरणेः कारण की?
- (d) रामायणस्य कति काण्डानि सन्ति? क्रमानुसारेण तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।
रामायणेः कयटि काण्ड आछे? पर्यायक्रमे तादेर नामगुलि उल्लेख करो।
- (e) रामायणे कस्यचिद् वंशस्य वर्णना अस्ति? अस्य वंशस्य प्रथम नृपस्य नाम लिख्यन्ताम्।
रामायणे कौन वंशेः वर्णना आछे? एहि वंशेः प्रथम राजार नाम लेखो।
- (f) महाभारते कस्मिन् पर्वणि श्रीमद्भगवद्गीता समुपलभ्यते? श्रीमद्भगवद्गीतायां कति अध्यायाः सन्ति?
महाभारते कौन पर्वे श्रीमद्भगवद्गीता पाओया यय? श्रीमद्भगवद्गीताय कटि अध्याय आछे?
- (g) हरिवंशस्य परिचयः प्रदेयः।
हरिवंशेः परिचय दाओ।

Please Turn Over

'ख' विभाग:

('ख' विभाग)

- (a) पुराणस्य लक्षणं किम्?
पुराणेर लक्षण की?
- (b) महापुराणद्वयस्य नाम लिख्यन्ताम्।
दुटि महापुराणेर नाम लेखो।
- (c) पुराणेतिहासयोः को भेदः?
पुराण ओ इतिहासेर मध्ये पार्थक्य देखाओ।
- (d) कस्तावत् वेदान्तदर्शनस्य मूल ग्रन्थः? अस्य ग्रन्थस्य भाष्यकारस्य नाम लिख्यन्ताम्।
वेदान्त दर्शनेर मूलग्रन्थ कौनटि? एइ ग्रन्थेर एकजन भाष्यकारेर नाम लेखो।
- (e) योगसूत्रे कति अध्यायाः सन्ति? तेषां नामानि लिखत।
योगसूत्रे कटि अध्याय आछे? तादेर नामगुलि बलो।
- (f) को नाम न्यायदर्शनस्य प्रणेता? को वा नव्यन्यायस्य प्रवक्ता?
न्यायदर्शनेर रचयिता के? नव्यन्यायेर प्रवक्ता के?
- (g) को नाम मुग्धबोधस्य रचयिता? कविकल्पद्रुमे किमस्ति?
मुग्धबोधेर रचयिता के? कविकल्पद्रुमे की आछे?
- (h) 'त्रिमुनि' शब्देन के बोध्यन्ते? 'वाक्यपदीयम्' केन विरचितम्?
'त्रिमुनि' बलते कानेर बोखानो हय? वाक्यपदीय ग्रन्थ के रचना करेन?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानां विधेयं समाधानम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन द्वितयम् सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20
(नीचेर प्रश्नगुलिर थेके ये कौनो चारटि प्रश्नेर उतुवर दाओ। तार मध्ये दुटि प्रश्नेर उतुवर संस्कृत भाषाय लेखो।)

- (a) अधस्तात् कस्यचिदेकस्य संक्षिप्ता टिप्पणी विधेया। 5
नीचेर ये कौनो एकटि संक्षिप्त टीका लेखो।
सामवेदसंहिता, शतपथब्राह्मणम्, आरण्यकम्।
- (b) महाभारतस्य रचनाकालो निरूपणीयः। 5
महाभारतेर रचनाकाल निरूपण करो।
- (c) अष्टाध्यायी केन विरचिता? व्याकरणदर्शने पाणिनिसम्प्रदायः यथायथं पर्यालोच्यताम्। 1+4=5
के अष्टाध्यायी रचना करेन? व्याकरणदर्शने पाणिनिसम्प्रदाय सम्यक्भावे पर्यालोचना करो।
- (d) सांख्यदर्शनस्य प्रणेता कः? तस्मिन् दर्शने निरूपितं प्रकृतिस्वरूपं समुपवर्णयताम्। 1+4=5
के सांख्यदर्शनेर प्रवक्ता? ए दर्शने निरूपित प्रकृतिर स्वरूप वर्णना करो।

- (e) पुराणस्य ऐतिहासिकमूल्यमालोचयत। 5
पुराणेर ऐतिहासिक मूल्य आलोचना करो।
- (f) रामायणे प्रक्षिप्तः अंशः अस्ति न वेति विचार्यताम्। 5
रामायणे प्रक्षिप्त अंश आछे कि-नेई विचार करो।
3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः उत्तरं लिखतः 10×2=20
नीचेर प्रश्नगुलिर ये कोनो दुटिर उत्तर दाओः
- (a) संवादसूक्तं नाटकस्य बीजमित्यभिमतं भवते रोचते वा न वा। ऋग्वेदसंहितायाम् आम्नातानि संवादसूक्तानि संक्षेपेण आलोच्यन्ताम्। 2+8=10
संवादसूक्त नाटकेर उंस — এই অভিমত তুমি সমর্থন करो किना बलो। ऋग्वेदसंहिताय आम्नात संवादसूक्तगुलि संक्षेपे आलोचना करो।
- (b) वेदाङ्गस्य गुरुत्वं सुष्ठु निरूप्यताम्। वेदाङ्गमाश्रित्य नातिदीर्घो निबन्धो विरचनीयः। 3+7=10
वेदाङ्गेर गुरुत्वं सुष्ठु विरूप्यताम्। वेदाङ्ग अवलम्बने एकटि छोटो प्रबन्ध रचना करो।
- (c) रामायणमुद्दिश्य स्तुतिश्लोको लेखनीयः। उत्तरवर्तिनि संस्कृतसाहित्ये रामायणस्य प्रभावः समुपवर्ण्यताम्। 2+8=10
रामायणेर उद्देशे निवेदित स्तुतिश्लोकटि लेखो। परवर्ती संस्कृत साहित्ये रामायणेर प्रभाव वर्णना करो।
- (d) उपपुराणद्वयस्य नाम लिख्यताम्। भारतीयसमाजजीवने पुराणस्य प्रभावं संक्षेपेण विवृणुत। 2+8=10
दुटि उपपुराणेर नाम लेखो। भारतीय समाजजीवने पुराणेर प्रभाव संक्षेपे विवृत करो।